

2 776 4/14

परवीजनकर्ता

- भगवत सिंह गाड़
आत्मज- प्रेम सिंह गौड़ उम्र लगभग 55 वर्ष
निवासी- सगौड़ी, तह. जवेरा, जिला- दमोह

विरुद्ध

उत्तरार्थीगण

- 1. अपर आयुक्त जबलपुर संभाग- जबलपुर
2. म.प्र. शासन द्वारा अपर कलेक्टर जबलपुर



राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश खालियर

अनुपूर्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 396- दो / 14

जिला जबलपुर

प्रकरण क्रमांक दिनांक

क्रमांक दिनांक

अभिलेखित
अभिभाषको के
हस्ताक्षर

1-6-14

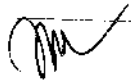
यह निगरानी आवेदनपत्र म0प्र0 भू-राजस्व संहिता की धारा 50 के अन्तर्गत अपर आयुक्त जबलपुर सभाग जबलपुर के प्रकरण क्रमांक 235/अ-2/12-13 में पारित आदेश दिनांक 16.12.13 के विरुद्ध प्रस्तुत किया गया है।

2/ मैंने आवेदक के विद्वान अभिभाषक के तर्कों पर विचार किया तथा अधिनस्थ न्यायालय के अभिलेख एवं आदेश का अवलोकन किया। आवेदक भगवत गौड़ द्वारा मौजा लडोई स्थित भूमि खसरा न0 216 रकबा 0.11 है तथा खसरा नम्बर 61 रकबा 0.85 कुल किता 2 कुल रकबा 0.96 हे की विक्रय अनुमति हेतु आवेदनपत्र अपर कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत करने पर अपर कलेक्टर द्वारा प्रकरण दर्ज कर अनुविभागीय अधिकारी से जाँच कराकर प्रतिवेदन चाहा गया। पटवारी हल्का द्वारा तहसीलदार के समक्ष स्थल पंचनामा सहित जाँच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसमें आवेदक विक्रेता के पास प्रश्नाधीन भूमि के अलावा ग्राम सगोड़ी में भूमि होने से विक्रय की अनुशंसा की गयी। तहसीलदार ने आदेश पत्रिका दिनांक 25-8-09 में वादग्रस्त भूमि की बाजार कीमत रु 92,000/- होने तथा विक्रय रु



117000 में होने से अनुश्रमा सहित प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी को प्रेषित किया। अनुविभागीय अधिकारी ने आदेश पत्रिका दिनांक 23-8-10 में उल्लेख किया है कि आवेदक के पास ग्राम सगोड़ी तह0 मझौली में भी पर्याप्त भूमि है। ग्राम लडोई में स्थित उक्त भूमि दूर होने से खेती नहीं कर पाते हैं। इसलिये उन्होंने तहसीलदार के प्रतिवेदन दिनांक 25-8-09 से सहमति व्यक्त की। जॉच प्रतिवेदन प्राप्त होने पर अपर कलेक्टर ने क्रेता एवं विक्रेता के कथन भी अंकित किये हैं। विक्रेता भवगत सिंह ने अपने बयान में ग्राम लडोई में 240 एकड़ भूमि एवं ग्राम सगोड़ी में 12 एकड़ भूमि होना बताया है। ग्राम सगोड़ी में निवास करने से ग्राम लडोई की भूमि विक्रय करना बताया है। क्रेता ने अपने बयान में आदिवासी द्वारा भूमि अपनी मर्जी से उचित कीमत पर बेचना बताया है। बयान में यह भी कहा है कि मेरे द्वारा किया गया सौदा शासकीय गाइड लाइन से कम होता है तो मैं विक्रेता को शासकीय गाइड लाइन के अनुसार राशि प्रदान करने में अपनी सहमति प्रदान करता हूँ। विक्रय की जा रही भूमि असिंचित तथा मुख्य सड़क से अन्दर क्रेता एवं विक्रेता दोनों ने ही बताया है।

3/ अपर कलेक्टर ने अपने आदेश दिनांक 06-03-12 द्वारा पर्याप्त आधार नहीं होने से विक्रय अनुमति आवेदनपत्र खारिज किया है जिसे अपर अपर आयुक्त ने आदेश दिनांक 16-12-13 द्वारा यथावत

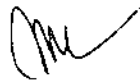


रखा है।

4/ आदिवासी का भूमि विक्रय के पूर्व कलेक्टर की अनुमति प्राप्त करने के प्रावधान का आशय यही है कि आदिवासी भूमि विक्रय के पश्चात् भूमिहीन ना हो उसे भूमि का बाजार मूल्य प्राप्त हो और उसकी भूमि कपटपूर्ण तरीके से अन्तरित ना हो। आवेदक भगवतसिंह गौड ग्राम सगोडी में निवास करने तथा उसके पास ग्राम सगोडी में पर्याप्त भूमि है। ग्राम लडाई में स्थित प्रश्नाधीन भूमि विक्रय करने के पश्चात् आवेदक आदिवासी के पास भरण पोषण के लिये पर्याप्त भूमि शेष रहने एवं विक्रय की जा रही भूमि का बाजार मूल्य से अधिक मूल्य प्राप्त होना तहसीलदार एवं अनुविभागीय अधिकारी के प्रतिवेदनो में दर्शाया है। इसके बावजूद भी अधीनस्थ न्यायालयो द्वारा विक्रय अनुमति आवेदनपत्र खारिज किया गया है जिसे विधि संगत नहीं कहा जा सकता।

5/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी का आवेदनपत्र स्वीकार किया जाता है और अपर आयुक्त का आदेश दिनांक 16-12-13 तथा अपर कलेक्टर का आदेश दिनांक 6-3-12 निरस्त किये जाते हैं। आवेदक भगवतसिंह को ग्राम लडाई की स्थित भूमि खसरा न० 216 रकबा 0.11 तथा खसरा न० 61 रकबा 0.85 कुल कित्ता 2 कुल रकबा 0.96 हे. के विक्रय की अनुमति इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि --


(1) विक्रय गाईड लाईन में दर्शाये गये मूल्य से कम।



राशि पर नहीं किया जाय।

(2) विक्रता को विक्रय राशि बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से भुगतान की जाय।

पक्षकार सूचित हैं: आदेश की प्रति अधीनस्थ न्यायालयों को भेजी जाय और तत्पश्चात् राजारव मण्डल को अभिलेख दाखिल अभिलेखागार किया जाय।


(एम०००० सिंह)
सदस्य